भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1995

जिसका उत्तर 30.07.2026 को दिया जाना है

अमृतसर में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

1995. श्री गुरजीत सिंह औजला:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अमृतसर सीमा क्षेत्र भारत के महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों में से एक होने के बावजूद कई अन्य राज्यों की तुलना में राजमार्ग अवसंरचना और विकास में पिछड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि अमृतसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पर्यटक, तीर्थयात्री और व्यापारिक यात्री आते हैं लेकिन यहां राष्ट्रीय महत्व के अनुरूप विश्वस्तरीय सड़क संपर्क और आधुनिक राजमार्ग अवसंरचना का अभाव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अमृतसर क्षेत्र में चल रही कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं धीमी गति से चल रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पूरा करने में विलंब हो रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निष्पादन में ऐसे विलंब के क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार का अमृतसर सीमा क्षेत्र में लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने और अत्याधुनिक राजमार्ग अवसंरचना के विकास को प्राथमिकता देने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) सरकार का सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास एवं रखरखाव के लिए उत्तरदायी है। अमृतसर एक व्यापक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, और यह प्रमुख शहरों, पड़ोसी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय सीमा से संपर्क स्थापित करता है, जिसमें जालंधर-अमृतसर राजमार्ग (एनएच-3) के माध्यम से जालंधर/चंडीगढ़/दिल्ली; अमृतसर-तरन तारन-हरिके राजमार्ग (एनएच-54) के माध्यम से बठिंडा/राजस्थान; अमृतसर-पठानकोट राजमार्ग (एनएच-54) के माध्यम से जम्मू और कश्मीर; और अमृतसर-ऊना राजमार्ग (एनएच-503ए) के माध्यम से हिमाचल प्रदेश तक संपर्कता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय सीमा अमृतसर को अटारी-वाघा (एनएच-3) से जोड़ने वाले राष्ट्रीय

राजमार्ग नेटवर्क के माध्यम से जुड़ी हुई है, जो इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती और पर्यटन स्थल तक सीधी सुगमता प्रदान करती है।

अमृतसर की विरासत, संस्कृति और सामाजिक-धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने सड़क मार्ग से अमृतसर आने वाले पर्यटकों के लिए यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने और सुविधा बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। अमृतसर और उसके आसपास शुरू की गई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजनाओं में दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे और अमृतसर तक इसका विस्तार मार्ग, अमृतसर बाईपास (अटारी-वाघा सीमा पर आने वाले पर्यटकों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए), अमृतसर-रामदास कॉरिडोर (करतारपुर साहिब जाने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए), अमृतसर-ऊना कॉरिडोर (अमृतसर को आनंदपुर साहिब से जोड़ने वाला) और ब्यास-बटाला-डेरा बाबा नानक कॉरिडोर (ब्यास को करतारपुर साहिब कॉरिडोर से जोड़ने वाला) शामिल हैं।

(ग), (घ) और (ङ) अमृतसर क्षेत्र में चल रही कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण में देरी, कानून-व्यवस्था की समस्याएँ, किसानों के विरोध प्रदर्शन/आंदोलन, अतिरिक्त या एलिवेटेड संरचनाओं की माँग, राज्य ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा पॉन्ड ऐश के परिवहन लागत की प्रतिपूर्ति न होना, वैधानिक स्वीकृतियों/अनुमतियों में देरी और भारी वर्षा एवं बाढ़ जैसी अप्रत्याशित घटनाओं के कारण विलंब हुआ है। इन समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन और अन्य हितधारकों से परामर्श करके सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार इन परियोजनाओं को उच्च प्राथमिकता देती है और अमृतसर क्षेत्र में इन परियोजनाओं की प्रगति की नियमित रूप से विभिन्न स्तरों पर सभी हितधारकों के परामर्श से समीक्षा और निगरानी की जा रही है, जिसमें परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) पोर्टल/प्रगति पोर्टल के माध्यम से भी निगरानी शामिल है। सरकार इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

*****